बीएसएनएल के सभी यूनियनों और एसिओसेशनों (एयूएबी)
नंबर: यूए/2021/38 27.09.2021
परिपत्र

प्रति
महासचिव,
एयूएबी के घटक।

प्रिय साथियों,

ऑल यूनियन्स एंड एसिओसेशन्स ऑफ बीएसएनएल (एयूएबी) की एक बैठक 23/09/2021 और 25/09/2021 को आयोजित की गई थी। बैठक में निम्नलिखित साथियों ने भाग लिया:

बीएसएनएलईयू: कॉम, पी अभिमन्यु, जीएस और संयोजक, एयूएबी

एनएफटीईः कॉम. चंदेश्वर सिंह, जीएस और अध्यक्ष, एयूएबी और कॉम. राजामौली, कोषाध्यक्ष

AIGETOA: कॉम. सुनील गौतम, एजीएस

SNEA: कॉम. के सेबेस्टिन, जीएस, और कॉम. ए.ए.खान, अध्यक्ष

AIBSNLEA: कॉम. राजपाल शर्मा, एजीएस

एसईडव्लूए बीएसएनएल: कॉम. एन डी राम, जीएस

एफएनटीओ: कॉम. जयप्रकाश, जीएस और कॉम. मोहिंदर सिंह, एजीएस

बीएसएनएल एमएस: कॉम. सुरेश कुमार, जीएस

बीएसएनएल एटीएम: कॉम. रेवती प्रसाद, एजीएस

टीईपीयू: कॉम. राशिद खान, एजीएस

बीएसएनएल ओए: कॉम. एच पी सिंह, जीएस

बैठक की अध्यक्षता कॉम. चंदेश्वर सिंह ने की। संयोजक अभिमन्यु ने सभी का स्वागत किया और बैठक में चर्चा किए जाने वाले मुद्दों की जानकारी दी। बैठक ने सर्वसम्मति से 21, 22 और 23 सितंबर, 2021 को जंतर मंतर, नई दिल्ली में आयोजित 3 दिवसीय धरना करने वाले सदस्यों और नेताओं को धन्यवाद देते हुए एक प्रस्ताव पारित किया, जो एक ऐतिहासिक सफलता थी। एयूएबी द्वारा आयोजित 3 दिवसीय धरने में तोड़फोड़ करने के लिए 17 सितंबर 2021 को बीएसएनएल कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा जारी प्रतिगामी पत्र के लिए बैठक ने गंभीर अपवाद लिया। पत्र में तीन दिवसीय धरना तोड़ने के लिए सीजीएम को निर्देश जारी किए गए थे।

बैठक में देखा गया कि, यह पत्र माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का उल्लंघन है, जिसने फैसला सुनाया है कि भारत के नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में भाग लेने का अधिकार है। बैठक में निर्णय लिया गया कि एयूएबी को सीएमडी बीएसएनएल को पत्र लिखकर इस पत्र को तत्काल वापस लेने की मांग करनी चाहिए। यह भी निर्णय लिया गया कि एयूएबी नेताओं को 24.09.2021 को ही सीएमडी बीएसएनएल से व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहिए और पत्र को वापस लेने की मांग करनी चाहिए। (तदनुसार, एयूएबी के प्रतिनिधियों ने सीएमडी बीएसएनएल से मुलाकात की और पत्र को वापस लेने की मांग की। परन्तु, सीएमडी बीएसएनएल ने इसे स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया।)

इसके बाद, एयूएबी द्वारा अपनाई जाने वाली भविष्य की कार्रवाई के बारे में चर्चा हुई। लेकिन समय की कमी के कारण बैठक स्थगित कर दी गई। पुन: बैठक दिनांक 25.09.2021 को पूर्वाहन 11:00 बजे आयोजित की गयी। आगे की कार्रवाई पर चर्चा की गयी। 23.10.2019 को रिवाइवल पैकेज की मंजूरी के बाद भी बीएसएनएल के वित्तीय पुनरुद्धार के लिए कदम उठाने में बीएसएनएल प्रबंधन की विफलता पर और कर्मचारियों की वास्तविक समस्याओं को न निपटाने के लिए सभी नेताओं ने अपनी निराशा और गहरी पीड़ा व्यक्त की। बल्कि, बैठक में देखा

गया कि प्रबंधन की अक्षमता के कारण बीएसएनएल का संकट और गहरा गया है। बैठक में सर्वसम्मत मत है कि श्री पी.के. पुरवार, सीएमडी बीएसएनएल, कंपनी की चौतरफा विफलता के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

23.10.2019 को 4जी स्पेक्ट्रम के आवंटन के तुरंत बाद, एयूएबी ने मांग की कि प्रबंधन को सभी 49,300 4जी संगत बीटीएस के उन्नयन के लिए तुरंत कदम उठाना चाहिए। अगर ऐसा किया जाता, तो बीएसएनएल अप्रैल 2020 से पहले ही अपनी इंडियाभर 4जी सेवा शुरू कर देता, वह भी बिना कोई नया उपकरण खरीदे। परन्तु, एयूएबी द्वारा 49,300 टावरों के तत्काल उन्नयन के लिए बार-बार अपील करने के बावजूद, श्री पी.के. पुरवार, सीएमडी बीएसएनएल ने 4जी सेवाओं को शुरू करने के लिए एक के बाद एक तारीख, अर्थात् 01.01.2020, 01.03.2020, 01.04.2020, आदि देने के अलावा कोई कार्रवाई नहीं की। इतना ही नहीं, श्री पी.के. पुरवार, सीएमडी बीएसएनएल ने टावरों के उन्नयन के लिए तत्कालीन निर्देशक (सीएम) द्वारा उठाए गए कदमों का भी कड़ा विरोध किया था। पहले के प्रबंधन ने दूरदृष्टि से 4जी संगत उपकरण खरीदे थे और सिस्टम में स्थापित किए थे। लेकिन वर्तमान सीएमडी बीएसएनएल, श्री पी.के. पुरवार, उन उपकरणों को अपग्रेड करने और 4 जी सेवाओं को लॉन्च करने में भी सक्षम नहीं हो सके। श्री पी.के. पुरवार, सीएमडी बीएसएनएल ने घोषणा की थी कि मार्च 2020 से, अगर वीआरएस सफलतापूर्वक लागू किया जाता है, तो वह हर महीने की नियत तारीख पर वेतन के वितरण को नियमित कर देंगे।

परन्तु, 80,000 कर्मचारियों के वीआरएस पर चले जाने के बाद भी नियत तारीख पर वेतन का भुगतान न होने के कारण कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्री पी.के. पुरवार (सीएमडी बीएसएनएल) ने अब यह स्पष्ट कर दिया है कि कर्मचारियों को वेतन का भुगतान उनकी पहली प्राथमिकता नहीं है। श्री पी.के. पुरवार, सीएमडी बीएसएनएल,ने वेतन संशोधन को रोक रखा है जबकि पूर्ण बीएसएल बोर्ड ने वेतन संशोधन की सिफारिश की है। यहां तक कि गैर-

कार्यकारियों के लिए वेतन वार्ता शुरू करने के डीओटी के निर्देश को भी वर्तमान सीएमडी ने नहीं माना है। एयूएबी, सीजीएम और फील्ड यूनिटों द्वारा दिए गए सुझावों को सुने बिना, श्री पी के पुरवार, सीएमडी बीएसएनएल द्वारा लागू किए गए "क्लस्टर-आधारित आउटसोर्सिंग सिस्टम" के कारण लैंडलाइन और ब्रॉडबैंड सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हैं। क्लस्टर भुगतान समय पर किया जा रहा है और रास्ते से हटकर भी किया जा रहा है, जबकि अन्य सभी श्रम भुगतानों को बेरहमी से रोक दिया गया है। AUAB द्वारा बार-बार अपील करने के बावजूद धन का आवंटन न होने और उचित ध्यान देने के कारण ट्रांसमिशन सिस्टम चरमरा रहा है। गैर-भर्ती इकाइयों का विलय पूरा नहीं हुआ है, भले ही जनवरी 2020 में निर्णय लिया गया था। इसने रखरखाव क्षेत्र को ध्वस्त कर दिया है।

वीआरएस लागू होने के बाद कई गुना अधिक कार्यभार से कर्मचारियों को परेशानी हो रही है। हालांकि, श्री पी.के. पुरवार, सीएमडी बीएसएनएल "पुनर्गठन" के नाम पर कदम उठा रहा है, ताकि कर्मचारियों की संख्या में भारी कटौती की जा सके। पुनर्गठन के नाम पर, कार्यकारी और गैर-कार्यकारी संवर्गों के लिए सभी पदोन्नति रोक दी गई हैं। श्री पी.के. बीएसएनएल के सीएमडी पुरवार ने कर्मचारियों की पदोन्नति पर अघोषित प्रतिबंध लगा दिया है और इस तरह उनका भविष्य बर्बाद कर दिया है।

बीएसएनएल की यूनियनों और संघों ने सब्सिडियरी टावर कंपनी के गठन का पुरजोर विरोध किया है और इसे रोक दिया है। हालांकि, श्री पी.के. पुरवार बीएसएनएल के सीएमडी ने बीएसएनएल टावर कंपनी (बीटीसी) के नाम से गुप्त रूप से इसका संचालन किया है।

बीएसएनएल की यूनियनों और संघों ने बीएसएनएल और एमटीएनएल के विलय का कड़ा विरोध किया है। लेकिन श्री पी.के. पुरवार, सीएमडी बीएसएनएल, पिछले दरवाजे से बीएसएनएल और एमटीएनएल के विलय के लिए गुप्त रूप से कदम उठा रहे हैं। एमटीएनएल की मोबाइल सेवाओं को बीएसएनएल ने पहले ही

अपने कब्जे में ले लिया है। एमटीएनएल एक्सचेंज और ट्रांसमिशन उपकरण बीएसएनएल नेटवर्क/सीडीआर/एनजीएन से गुप्त रूप से एक-एक करके जुड़ रहे हैं। इसके अलावा, एमटीएनएल के निर्देशक मंडल का बीएसएनएल के निदेशक मंडल में गुप्त रूप से विलय किया जा रहा है। कर्मचारियों को वैध सेवा लाभ से वंचित करने के लिए पिछले दरवाजे से विलय को चालू किया जा रहा है। ये सभी बीएसएनएल के सीएमडी श्री पी के पुरवार के दिमाग की उपज हैं

बीएसएनएल बोर्ड के कार्यकारी निर्देशक शक्तिहीन हो गए हैं और वे कोई निर्णय नहीं ले सकते हैं। मुख्य महाप्रबंधकों और क्षेत्रीय इकाइयों की राय को केवल नज़रअंदाज़ किया जा रहा है और उसे दरकिनार कर दिया जा रहा है।

एमटीएनएल के केवल दो सर्किल हैं, अर्थात दिल्ली और मुंबई। श्री पी.के. पुरवार एमटीएनएल के सीएमडी के रूप में इसके पुनरुद्धार के लिए कुछ नहीं कर सके। बल्कि एमटीएनएल अब ध्वस्त हो चुकी है। इसलिए, श्री पी के पुरवार के नेतृत्व में बीएसएनएल के पुनरुद्धार की कोई संभावना नहीं है।

विस्तृत चर्चा के बाद AUAB ने सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए हैं:-

(1) एयूएबी मांगों के चार्टर पर आंदोलनकारी कार्यक्रम जारी रखेगा।

(2) एयूएबी को माननीय संचार मंत्री को एक विस्तृत पत्र लिखना चाहिए, जिसमें बीएसएनएल के सीएमडी श्री पी के पुरवार की मनमानी कार्रवाई पर जिससे बीएसएनएल की हालत खराब हो गई है उस पर प्रकाश डाला जाये।

(3) बीएसएनएल के सीएमडी श्री पी के पुरवार द्वारा निभाई जा रही भूमिका जिससे कंपनी और उसके कर्मचारियों के भविष्य को अपूरणीय क्षति हो रही है, उसकी व्याख्या करते हुए विस्तृत पैम्फलेट मुद्रित और कर्मचारियों के बीच वितरित किया जाये,

(4) श्री पी के पुरवार को सीएमडी बीएसएनएल के पद से हटाने की मांग को लेकर 06.10.2021 को एक ट्विटर अभियान आयोजित किया जाये।

(5) मांग पत्र के निराकरण की मांग को लेकर दिनांक 26.10.2021 को काला झंडा/काला बिल्ला धारण कर प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। श्री पी के पुरवार, सीएमडी बीएसएनएल को हटाने को भी मांगों के चार्टर में शामिल किया जाएगा।

पी. अभिमन्यु
संयोजक, एयूएबी।

चंदेश्वर सिंह
अध्यक्ष, एयूएबी।